No. of Printed Pages : 7

BPY-009

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP) (B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2021

BPY-009 : CONTEMPORARY WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question No. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Critically evaluate the political and economic system envisaged by Karl Marx in the context of contemporary socio-political realities. 20

Or

Explain Dasein as Being-in-the-world.

2. Examine the significance of post-modernism as a movement of philosophy. 20

Or

Assess the value of pragmatism as a theory of knowledge.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each : 10 each

(a) Elaborate the salient features of the philosophy of Nietzsche.

(b) Discuss briefly the philosophy of later Wittgenstein.

(c) Explain verifiability theory of meaning.

(d) Give a brief account of the phenomenology of Edmund Husserl.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 5 each

(a) Describe the three stages of existence as discussed by Kierkegaard.

(b) "Man is condemned to be free." Explain.

(c) Bring out the characteristics of modern age.

(d) Give an account of the historical development of hermeneutics.

(e) Summarize the concept of 'text' with reference to Paul Ricoeur.

(f) Explain briefly logical atomism.

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Apriori and aposteriori

(b) Picture theory of meaning

(c) Instrumentalism

(d) Socialism

(e) Category mistake

(f) Id

(g) Dogmatism

(h) Facticity

BPY-009

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

(बी. ए. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

बी.पी.वाई-009 : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न सं. **1** और **2** में से प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।*

1. समकालीन सामाजिक-राजनैतिक यथार्थ के सन्दर्भ में कार्ल मार्क्स द्वारा प्रस्तुत राजनैतिक एवं आर्थिक दर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

विश्व में सत् (being-in-the-world) के रूप में दासाईन की व्याख्या कीजिए।

2. दर्शनशास्त्र में एक आन्दोलन के रूप में उत्तर-आधुनिकतावाद के महत्व का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

ज्ञान के एक सिद्धान्त के रूप में व्यवहारवाद (pragmatism) के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) नित्शे के दर्शनशास्त्र की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) उत्तर-विट्गेन्सटीन के दर्शन पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

(ग) अर्थ के सत्यापन सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

(घ) एडमंड हुसर्ल के संवृत्तिशास्त्र का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) किर्केगार्ड द्वारा वर्णित अस्तित्व के तीन स्तरों का वर्णन कीजिए।

(ख) "मानव स्वतन्त्र होने के लिए अभिशप्त है।" व्याख्या कीजिए।

(ग) आधुनिककाल की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(घ) व्याख्याशास्त्र के ऐतिहासिक विकास का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) पॉल रिकर के सन्दर्भ में 'पाठ' की अवधारणा को सार रूप में स्पष्ट कीजिए।

(च) तार्किक भाववाद की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

5. किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) पूर्वानुभविक और उत्तरानुभविक

(ख) अर्थ का चित्रण सिद्धान्त

(ग) उपकरणवाद

(घ) समाजवाद

(ङ) कोटि दोष

(च) ईड

(छ) धर्मान्धता (Dogmatism)

(ज) तथ्यता